PRINCE SCHOOL
विद्याऽमृतमश्नुते
PRINCE SCHOOL
Rajasthan Board, English & Hindi Medium, Class IV to XII (Science, Commerce, Arts & Agriculture)
www.princeeduhub.com | Palwas Road, Sikar. Helpline : 9610-69-2222 | princeeducationhubsikar

Model Paper - II : 2024-25

Class - XII

Time : 3:15 Hours **Subject : Hindi Literature** **M.M. : 80**

GENERAL INSTRUCTIONS TO THE EXAMINEES:
परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश:-

- ***Candidate must write first his/her Roll No. on the question paper compulsory.***
  परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर नामांक अनिवार्यत: लिखें।
- ***All the questions are compulsory.***
  सभी प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं।
- ***Write the answer to each question in the given answer-book only.***
  प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
- ***For questions having more than one part, the answers to those parts are to be written together in continuity.***
  जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड है, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
- ***Write down the serial number of the question before attempting it.***
  प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

खण्ड-अ

01. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखिए-

(i) 'सरोज स्मृति' कविता में शकुन्तला के समान किसको माना गया है? 1

(1) माता को (2) पत्नी को (3) पुत्री को (4) सुमित्रा को

(ii) बनारस में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम कौनसी ऋतु में होती है? 1

(1) वसन्त (2) शरद (3) ग्रीष्म (4) वर्षा

(iii) जयशंकर प्रसाद का नाटक नहीं है- 1

(1) स्कंदगुप्त (2) चंद्रगुप्त (3) तितली (4) ध्रुवस्वामिनी

(iv) 'आज का कबूतर अच्छा है कल के मोर से' लेखक की पंक्ति क्या नहीं सिखाती है? 1

(1) वर्तमान का कम भी अच्छा है भविष्य की चमक से

(2) अच्छे भविष्य के चक्कर में वर्तमान बर्बाद ना करें

(3) आज कम सुख मिले तो भी अच्छा है भविष्य के अधिक सुखों से

(4) कल को किसने देखा है उसकी बिल्कुल मत सोचो।

(v) 'अमझर' गाँव किसके पेड़ों से घिरा हुआ है? 1

(1) आम के (2) अमरूद के (3) अनानास के (4) अनार से

(vi) आचार्य शुक्ल द्वारा लिखित 'हिन्दी साहित्य का इतिहास' पहले किसकी भूमिका के रूप में लिखा गया था- 1

(1) हिन्दी विज्ञान सागर (2) हिन्दी गुण सागर (3) हिन्दी भक्ति सागर (4) हिन्दी शब्द सागर

(vii) जब सूरदास नैराश्य, ग्लानि, चिंता और क्षोभ के अपार जल में गोते खा रहा था, उस समय आशा की किरण किसने भरी? 1

(1) सुभागी ने (2) मिठुआ ने (3) जगधर ने (4) घीसू ने

(viii) 'बिस्कोहर की माटी' त्रिपाठी जी की हिन्दी गद्य साहित्य की कौनसी विधा है? 1

(1) कहानी (2) उपन्यास (3) आत्मकथा (4) संस्मरण

(ix) 'अपना मालवा खाऊ-उजाडू सभ्यता में' पाठ में कौनसी नदी का वर्णन नहीं हुआ है? 1

(1) चंबल (2) चंद्रभागा (3) चिनाब (4) चोरल

(x) खाऊ-उजाडू सभ्यता किसकी देन कहा गया है? 1

(1) भारत (2) चीन (3) अमेरिका (4) ऑस्ट्रेलिया

(xi) आज की सभ्यता इन नदियों को क्या बना रही है? 1

(1) धार्मिक स्थल (2) कृषि के लिए उपयोगी (3) गंदे पानी के नाले (4) सुंदर स्थल

(xii) कविता को इंद्रियों से पकड़ने में कौन सहायता करते हैं? 1

(1) अलंकार (2) बिम्ब और छंद (3) छंद और रस (4) शब्द

(xiii) नाटक में कितने अंक होने चाहिए- 1

(1) तीन (2) चार (3) पाँच (4) सात

(xiv) पत्रकार कितने प्रकार के होते है- 1

(1) एक (2) दो (3) तीन (4) चार

(xv) विशेष लेखन के लिए किस प्रकार की भाषा शैली अपेक्षित है- 1

(1) बाजारू भाषा (2) साहित्यिक भाषा (3) हिन्दी उर्दू मिश्रित भाषा (4) सहज, सरल तथा बोधगम्य भाषा

02. निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित उत्तर से कीजिए-

(i) जिस काव्य की शब्दावली अल्पसमासा होती है, वहाँ _____ गुण होता है। 1

(ii) जहाँ काव्य में ग्रामीण भाषा का प्रयोग हो, वहाँ _____ दोष होता है। 1

(iii) छंद को पढ़ते समय जहाँ विराम लिया जाता है, उसे _____ कहते है। 1

(iv) सवैया छंद में _____ से _____ तक वर्ण पाये जाते है। 1

(v) 'सागर के उर पर नाच-नाच, लहरें करती है मधुर-गान।' पंक्ति में _____ अलंकार है। 1

(vi) 'आनन रहित सकल रसभोगी, बिनु वाणी वक्ता बड़ जोगी' पंक्ति में _____ अलंकार है। 1

03. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

जीवन का असली अर्थ क्षण की गहराई में छिपा है। तो यह तो ठीक है कि जीवन को क्षणभंगुर मानो - है ही; मानने का सवाल नहीं है, जानो। यह भी ठीक है कि एक क्षण से ज्यादा तुम्हे कुछ मिला नहीं। लेकिन इससे उदास होकर मत बैठ जाना। यह तो कहा ही इसलिए था ताकि झूठी दौड़ बंद हो जाए। यह तो कहा ही इसलिए था ताकि गलत आयाम में तुम न चलो। यह तो तुम्हें पुकारने को कहा था कि गहराई में उतर आओ।

बुद्ध जब कहते हैं, जीवन क्षणभंगुर है, तो वे यह नहीं कर रहे हैं इसे छोड़कर तुम उदास होकर बैठ जाओ। वे यही कह रहे हैं तुम्हारे होने का जो ढंग है अब तक, वह गलत है। उसे छोड़ दो, मैं तुम्हें एक और नए होने का ढंग बताता हूँ।

(i) इस काव्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। 1

(ii) 'जीवन एक क्षण का है।' यह क्यों कहा गया है। 1

(iii) बुद्ध ने जीवन के बारे में क्या कहा है? 1

(iv) जीवन का असली अर्थ कहाँ छिपा है। 1

(v) नए होने का ढंग कौन बताता है? 1

(vi) इस गद्यांश का सारांश लिखें। 1

04. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

आज की दुनिया विचित्र, नवीन,
प्रकृति पर सर्वत्र है विजयी पुरूष आसीन।
हैं बंधे नर के कमरों में वारि, विद्युत, भाप,
हुक्म पर चढ़ता-उतरता है पवन का ताप।
हैं नहीं बाकी कहीं व्यवधान,
लाँघ सकता नर सरित, गिरि सिन्धु एक समान।
शीश पर आदेश कर अवधार्य
प्रकृति के सब तत्त्व करते हैं मनुज के कार्य।
मानते हैं हुक्म मानव का महा वरूणेश,
और करता शब्दगुण अम्बर वहन संदेश।

(i) इस पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए। 1

(ii) धरती पर अमृत की धारा बरसने से क्या आशय है? 1

(iii) 'वाचिक ही उन्हें देता हुआ सम्मान' का क्या तात्पर्य है? 1

(iv) मनुष्य अपनी किस पुरानी राह पर चल रहा है? 1

(v) आज की दुनिया को विचित्र और नवीन क्यों कहा गया है? 1

(vi) प्रकृति के सब तत्त्व क्या करते हैं? 1

प्रश्न 05 से 15 तक प्रत्येक प्रश्न के लिए अधिकतम शब्द सीमा 40 शब्द है।

05. "आई सूर होइ तपु रे नाहाँ। तेहि बिनु जाड़ न छूटे माहाँ।।" इन काव्य पंक्तियों का आशय स्पष्ट करें। 2

06. "जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा।" इस पंक्ति का तात्पर्य स्पष्ट कीजिए। 2

07. 'दुर्लभ बंधु' की पेटियों की कथा संक्षेप में लिखिए। 2

08. "मनोकामना की गाँठ भी अद्‌भुत, अनूठी है, इधर बाँधों, उधर लग जाती है।" यह कथन हमें क्या समझाना चाहता है? 2

09. "निद्रावस्था में भी उपचेतना जागती है।" 'सूरदास की झोंपड़ी' पाठ के आधार पर इस कथन को स्पष्ट कीजिए। 2

10. "प्रकृति सजीव नारी बन गई।" लेखक विश्वनाथ त्रिपाठी ने यह वाक्य क्यों कहा है व किससे तुलना की है? 2

11. विशेषोक्ति अलंकार को उदाहरण सहित समझाइए। 2

12. नाटक को 'दृश्य-काव्य' की संज्ञा क्यों दी गई है? स्पष्ट कीजिए। 2

13. खोजी रिपोर्ट (इंवेस्टिगेटिव रिपोर्ट) और इन-डेप्थ रिपोर्ट में अंतर है? स्पष्ट करें। 2

14. किसी विषय में विशेषज्ञता कैसे हासिल की जा सकती है? समझाइए। 2

15. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' या 'आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी' का साहित्यिक परिचय लिखिए। 2

खण्ड-स

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए।

16. कवि घनानंद के कवित्त में व्यक्त प्रेम और भक्ति के सुंदर संयोग को प्रस्तुत कीजिए। 3

अथवा

'मैंने देखा, एक बूँद' कविता का मूल भाव स्पष्ट कीजिए।

17. आचार्य रामचंद्र शुक्ल ने अपने पिताजी की किन-किन विशेषताओं का उल्लेख किया है? शुक्ल जी व्यक्तित्व पर इसका क्या प्रभाव पड़ा? 3

अथवा

लेखक हजारी प्रसाद द्विवेदी ने 'कुटज' की कौनसी-कौनसी विशेषताएँ बताई हैं? स्पष्ट कीजिए।

18. सूरदास के चरित्रगत विशेषताएँ बताइए। (उत्तर सीमा 80 शब्द) 3

अथवा

आधुनिक शहर नियोजकों और इंजिनियरों तथा पुरातन नियोजकों में क्या अंतर बताया गया है? 'अपना मालवा' अध्याय के आधार पर वर्णन कीजिए।

खण्ड–द

19. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 1+4=5

हर की पौड़ी पर साँझ कुछ अलग रंग में उतरती है। दीया–बाती का समय या कह लो आरती की बेला। पाँच बजे जो फूलों के होने एक–एक रूपए के बिक रहे थे, इस वक्त दो–दो के हो गए हैं। भक्तों को इससे कोई शिकायत नहीं। इतनी बड़ी–बड़ी मनोकामना लेकर आए हुए हैं। एक–दो रुपए का मुँह थोड़े ही देखना है। गंगा सभी के स्वयं सेवक खाकी वरदी में मुस्तैदी से घूम रहे हैं। वे सबको सीढ़ियों पर बैठने की प्रार्थना कर रहे हैं। शांत होकर बैठिए, आरती शुरू होने वाली है। कुछ भक्तों ने स्पेशल आरती बोल रखी है। स्पेशल आरती यानी एक सौ एक या एक सौ इक्यावन रुपये वाली।

अथवा

संवाद पहुँचाने का काम सभी नहीं कर सकते। आदमी भगवान के घर से संवदिया बनकर आता है। संवाद के प्रत्येक शब्द को याद रखना, जिस सुर और स्वर में संवाद सुनाया गया है, ठीक उसी ढंग से जाकर सुनाना सहज काम नहीं। गाँव के लोगों की गलत धारणा है कि निठल्ला, कामचोर और पेटू आदमी ही संवदिया का काम करता है।

20. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 1+4=5

जननी निरखती बान धनुहियाँ।
बार–बार उन नैननि लावति प्रभुजू की ललित पनहियाँ।।
कबहुँ प्रथम ज्यों जाइ जगावति कहि प्रिय बचन सवारे।
"उठहु तात! बलिमातु बदन पर, अनुज सखा सब द्वारे"।।
कबहुँ कहति यों "बड़ी बार भइ जाहु भूप पहँ, भैया।
बंधु बोलि जेंइय जो भावै गई निछावरि मैया"।।
कबहुँ समुझि वनगमन राम को रहि चकि चित्र लिखी सी।
तुलसीदास वह समय कहे तें लागति प्रीति सिखी सी।।

अथवा

अरूण यह मधुमय देश हमारा।
जहाँ पहुँच अनजान क्षितिज को मिलता एक सहारा।
सरस तामरस गर्भ विभा पर–नाच रही तरुशिखा मनोहर।
छिटका जीवन हरियाली पर–मंगल कुंकुम सारा।
लघु सुरधनु से पंख पसारे–शीतल में मलयसमीर सहारे।
उड़ते खग जिस ओर मुँह किए–समझ नीड़ निज प्यारा।
बरसाती आँखों के बादल–बनते जहाँ भरे करूणा जल।
लहरें टकराती अनंत की–पाकर जहाँ किनारा।
हेमकुंभ ले उषा सवेरे–भरती ढुलकाती सुख मेरे।
मदिर ऊँघते रहते जब–जगकर रजनी भर तारा।।

21. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 400 शब्दों में निबंध लिखिए– 6

(1) राजस्थान में पर्यटन
(2) सोशल मीडिया और आधुनिक युवा
(3) नैतिक शिक्षा का जीवन में महत्त्व
(4) साहित्य समाज का दर्पण है।